बच्चों की मेंटल ग्रोथ एंड डेवलपमेंट के लिए

वरदान है ब्रेन बी: सोनाली खंडेलवाल

स्टूडेंट्स का दिमाग कंप्यूटर की तरह काम करे उसके पास गूगल की तरह ज्ञान का भंडार हो, उसकी तार्किक क्षमता प्रभावशाली हो, क्या यह मुमकिन है ? जी हां यह मुमकिन है। ब्रेनबी एक ऐसा सिलेबस है जिसे आगरा की सोनाली खंडेलवाल द्वारा वैज्ञानिक ढंग से तैयार किया गया है जो स्टूडेंट्स की बौद्धिक क्षमता को मैजिकल ढंग से डवलप करता है। ब्रेनबी की फाउंडर सोनाली खंडेलवाल ने फैशन तंत्रा से बात करते हुए इसके विभिन्न पहलुओं पर बात की। पेश है उनसे हुई चर्चा के खास अंश...

आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि क्या रही?

मैं जयपुर के धीया परिवार में जन्मी, वहीं से स्कूलिंग करके मैंने महारानी कॉलेज से ग्रेजुएशन की और फिर फैशन डिजाइनिंग का कोर्स भी किया। बचपन से ही मेरी पढ़ाई में रुचि थी क्लास में मैं हमेशा प्रथम स्थान प्राप्त करती थी। मैं अपने स्कूल की कैप्टन भी रही। फैशन डिजाइनिंग के तीन साल की डिग्री प्रोग्राम में भी टॉप किया। प्रत्येक वर्ष टॉप डिजाइनिंग अवॉर्ड व टॉप मॉडल अवार्ड जीते। एक एक्सपोर्ट हाउस में भी कुछ समय काम किया। कुकिंग, रीडिंग, पेंटिंग, डांसिंग, सिंगिंग मेरी लॅबीज है। सितार में मैंने छह साल का डिग्री प्रोग्राम भी किया है जो कि डिस्टिंक्शन से मैंने पास किया।

आपने करियर की शुरुआत कैसे की?

शादी के बाद पांच साल अमेरिका में रहने के दौरान मैंने वहीं शिकागो में हार्पर कॉलेज से कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की। हिंदुस्तान आने के बाद मुझे लगा कि कुछ करना चाहिए। हालांकि मैं फैमिली ऑरिएंटेड हूं और घर की देखभाल में भी काफी इंटरेस्ट रखती हूं। परन्तु मैं खाली समय का सदुपयोग करना चाहती थी और ऐसा काम करना चाहती थी कि जिससे हम सोसायटी को कुछ दे पाएं। इसी सोच के चलते अपनी पढ़ाई के विपरीत फैशन या कम्प्यूटर लाइन में न आकर एजुकेशन में आई। मैं टीचिंग की अपनी खास पद्धति द्वारा बच्चों के मानसिक विकास में सक्रिय हो गई। अब तक हमने अपने आगरा जयपुर व देहरादून में बीस से अधिक सेंटर खोले हैं। साल 2005 के जनवरी से प्रोग्रेस निरंतर जारी है। अभी 2017 में मैंने अपनी खुद की कंपनी ब्रेन बी के नाम से शुरु की है। साउथ इंडिया के कुछ एजुकेशनिस्ट ट्रेनर के साथ कॉलेबोरेट करके मैंने स्वयं के पन्द्रह साल के एक्सपीरियंस को इस्तेमाल कर वर्ल्ड लेटेस्ट, ईजीएस्ट एंड मोस्ट इफेक्टिव सिलेबस तैयार किया है। अन्य कंपनियों की अपेक्षा ब्रेन बी सरल व अधिक प्रभावशाली है। अभिभावक बच्चों की ब्रेन बी में उभरती प्रतिभा को देखकर काफी संतुष्ट हैं एंड आई लव वर्किंग विद चिल्ड्रन।

ब्रेन बी स्टूडेंट्स के लिए कैसे बेनेफिसियल है?

ब्रेन बी बच्चों के मानसिक विकास के लिए एक बेहतरीन प्रोग्राम है। इससे बच्चों की काल्पनिक शक्ति बढ़ती है। वह कोई भी कार्य एकाग्रता के साथ करने में सक्षम हो जाता है। यही नहीं ब्रेन बी में स्टूडेंट्स की रचनात्मकता व आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी होती है। इससे वह पढ़ाई में ही नहीं वरन खेलकूद में भी अव्वल हो जाता है। ब्रेन बी पद्धति से बच्चे गणित के कठिन से कठिन सवाल चुटकी बजाकर हल कर देते हैं, जैसे कि अभी आपके सामने ही प्रथम शर्मा ने डबलडाइट एट रोज के सात सवाल महज 31 सेकेंड में हल कर दिए। क्या यह जादू सा नहीं?

ब्रेन बी क्या प्रोग्राम है और इसका टाइम ड्यूरेशन क्या है?

ब्रेन बी में हम बच्चों को अबेकस के माध्यम से ऐड, सब्स्ट्रेक्शन, मल्टिप्लिकेशन व डिवीजन सिखाते हैं। फिर बच्चे अबेकस की कल्पना दिमाग में करके सम्स करते हैं। इस प्रकार से हर दिन उनका मानसिक व्यायाम होता है और उनकी सोचने की शक्ति व सृजनशीलता लगातार बढ़ती जाती है, जिससे उनका गणित का काम तीव्र गति से हो पाता है, बल्कि सभी विषयों में भी भारी सुधार आता है। ब्रेन बी बच्चों की मानसिक शक्ति बढ़ाकर उन्हें जीनियस बनाता है। मुख्यतौर पर ब्रेन बी में छह महीने के चार सिलेबस हैं, जूनियर लेवल, सीनियर लेवल, सुपर सीनियर लेवल एंड एडवांस प्रोग्राम हर लेवल की अपनी अलग इंपोर्टेंस है। वह बच्चों की मेंटल ग्रोथ एंड डेवलपमेंट के लिए काफी मान्य रखता है। ये प्रोग्राम पांच से पंद्रह साल के बच्चों के लिए हैं, बच्चों का निरंतर विकास देखकर मैं अत्यंत संतुष्ट हूं। ओवरऑल ब्रेन बी एक बेहतरीन प्रोग्राम है, जिसके द्वारा बच्चों की कैलकुलेशन पावर ही नहीं बल्कि सोचने की कैपेसिटी भी बढ़ जाती है। बच्चा फोकस्ड हो जाता है और स्कूल की पढ़ाई और गेम्स में भी अच्छा करता है।

BUDDISM IS A LIFE CHANGING PHILOSOPHY

Saniya Grover

Buddism is a life changing philosophy. In life we'll experience setbacks or disappointments. The important thing is that we keep striving towards our goals and dreams without ever giving up, this spirit comes to us from this pratice. Our ardent chanting of Nam-myoho-renge-kyo fuels our resolve to keep fighting until we win. And through our Buddhist practice, we learn how to persevere in the most basic challenge of life: the struggle between our Buddha nature and our negativity, or fundamental darkness. The chanting of Nam-myoho-renge-kyo, which is founded on the Lotus Sutra's belief that everyone, without exception, equally possesses a Buddha Nature. Despite increasing animosity, persecution and repeated attempts in everyone's life, One must exhibit astonishing bravery, wisdom, compassion and integrity, and uphold their powerful resolve to continue spreading his teaching. Thus, it is vital to strive to win in each moment. Whether we are praying to the Gohonzon, encouraging our friends or making efforts in each aspect of our daily lives, the challenge is to be wholly engaged in that activity, 100 percent and as we do so, because our lives are in a constant state of flux, the most critical battle we wage lies in vanquishing our negativity and bringing forth our best selves at each moment. And even if we were to lose this battle momentarily, as long as we resolve to not give in to self-defeat and keep challenging ourselves, we will in the end win. It's a simple and practical philosophy which has so much of knowledge, and it gives you a whole new picture of life. From Chanting to Reading the Value Creation and the Human Revolution books to doing activities with different members it's all leading to a better life in this world.

Chandini Chopra

In this age of mayhem, The Buddhist organization, known world over as Soka Gakkai international provides a strong spiritual anchor to centre oneself in order to lead a value creating life. The philosophy is based on the teachings of Gautama Buddha as preached in the Lotus Sutra, also known as Saddharma-Pundarika in Sanskrit. The central tenet of the philosophy is cause and effect-you will receive what you give. It promotes value creation through one's own human revolution, thereby transforming the environment and world at large. It does not talk about the isolation or renunciation of desires, rather teaches how to use impulses in a way conducive to self and society. The practice of chanting Nam-Myo-Ho-Renge-Kyo to clear one's mind of the fundamental darkness of ignorance, anger and greed thereby manifesting patience and wisdom is the prime focus. The act of engaging with fellow members and standing united in their times of need renders a strong feeling of oneness and inclusion. With a strong youth following and many prominent people taking to this philosophy, it has certainly opened a new groundswell of spiritual practice. With over fifteen hundred members in Agra, the organisation continues to grow at a rapid pace. We have members ranging from four year olds to ninety years old who are active participants. Having being a member for the past thirteen years, the magnitude of change I've experienced in myself and life is vast. Over the years I've developed a strong fighting spirit to challenge every adversity that comes my way. I've come to realise that the only thing I can change in my life is myself and that in turn will impact my environment.

Best Wishes On
5th Foundation Day Fashion Tantra
Renu Nanda
& Shilpi Nanda

GOLDEN BEADS
Sanjay Place, Agra

The Sweet Spot
Baking Happiness
Best Wishes for
FASHION TANTRA
Foundation Day 2019
Sweetspotbypavani@gmail.com
Mob+ 91-9719796666
@Sweetspotbypavani

Best Wishes on
5th Foundation Day
Fashion Tantra
dawar
dawar
Manufacturers & Exporters of the Finest Leather Footwear
Corporate headquarters
DAWAR GROUP, Near Bapu Asaram Asaram, 12.5 Km,
Agra-Delhi Road, Sikandra, Agra-282007
e-mail: shipping@dawargroup.com
website : www.dawargroup.com